ISSN 2319-5339

IIS Univ.J.A. Vol.9 (2), 173-180 (2020)

समकालीन चित्रकार विनय शर्मा की शैली का विश्लेशणात्मक अध्ययन

प्रीति सैन एवं रूचि गोस्वामी

सारांश

''कला ही जीवन और जीवन ही कला है''

मनुष्य का जीवन कला पर निर्भर है। कला के बिना मनुष्य अधूरा है। इसका अभिप्राय यह हुआ कि जीने का सही ढंग ही कला है। चित्रकला कला का एक प्रकार है। चित्र एक संयोजन है। संयोजन में न केवल दिखाई देने वाले रूप और रंगों का प्रयोग होता है बल्कि कलाकार अपनी रचनात्मक प्रवृत्तियों को भी लोगों के सामने प्रदर्शित करता है। संयोजन विधि के द्वारा ही चित्रों को अलग-अलग शैली और काल के नाम से जाना जाता है। संयोजन एक वस्तु का नाम नहीं है। इसमें रेखा, रूप, वर्ण, ताल, पोत एवं अंतराल होते हैं। इनमें से कोई भी अंश नहीं होगा तो वह चित्रकला नहीं हो सकती। किसी भी चित्र में इन छः तत्त्वों के सही संयोजन से ही एक सफल चित्र बनाया जा सकता है। अतः कला का हमारे जीवन में एक महत्त्वपूर्ण योगदान है। प्रस्तुत शोध पत्र जाने-माने चित्रकार विनय शर्मा की कला एवं कला यात्रा को विस्तृत रूप से चित्रित करता है। इस शोध पत्र में विनय शर्मा की कला के विभिन्न आयामों को प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत के माध्यम से दर्शाया गया है। विनय शर्मा राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त चित्रकार है, जिन्होंने चित्रकला के विभिन्न आयामों को बारीकी से प्रस्तुत किया है। विनय शर्मा एक अच्छे चित्रकार होने के साथ-साथ देश-दुनिया में ''पेपरमैन'' के नाम से भी जाने जाते है। प्रस्तुत शोध पत्र इनकी पेपरमैन कला विधा को विस्तार से उल्लेखित करता है। प्रस्तुत शोध पत्र में आंकड़ों का आंकलन और आंकड़ों का संकलन प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत के आधार पर किया गया है। जहां प्राथमिक स्रोत में विनय शर्मा के साक्षात्कार को विश्लेषित किया गया है, वहीं द्वितीयक स्रोत में पुस्तकों, शोध प्रबंध और इंटरनेट द्वारा एकत्रित सामग्री के आधार पर गहन विश्लेषण किया गया है। प्रस्तुत शोध पत्र विनय शर्मा के व्यक्तित्व एवं उनकी कला यात्रा को विस्तारपूर्वक उजागर करता है।

संकेताक्षर :- अंतराल; चित्रकला; छायांकन; छापाकार; पेपरमैन; रेखांकन; रूपाकार; रंगपट्न; लोक-चत्रण; संयोजन; संस्थापन; स्रोत.

चित्रकला के विभिन्न आयाम हैं। यह एक ऐसी विधा है, जो जनमानस के अंतर्मन को उद्धवेलित करती चित्रकला के विविध आयाम विभिन्न विधाओं में प्रतिबिंबिंत होते हैं। इसी क्रम में भारत के विख्यात चित्र विनय शर्मा की चित्रकला विभिन्न विधाओं का सम्मिश्रण है, जिनकी चित्रकला यात्रा को इस पत्र के माध्य विश्लेषित किया गया है।

प्रस्तुत शोध में चित्रकारी विधा के नवीन प्रयोगों पर विस्तार से चर्चा की गई है। समकालीन चित्रकारी के प्रयोग, सुदृढ़ समाज की अभिव्यक्ति, समसामयिक घटनाओं का विश्लेषण एवं ''पेपरमैन'' के रूप में प बनाना विनय शर्मा को अन्य कलाविदों से पृथक करता है।

प्रस्तुत शोध में इस तथ्य को समझाने का प्रयास किया गया है कि चित्रकला की विभिन्न विधाएँ स्वयं में है। वहीं ''पेपरमैन'' के रूप में उन्होंने इस विधा को